(क) क्या यह सच है कि मार्च, 1990 में बैंक आफ इण्डिया के महाप्रबंधकों ने उक्त बैंक के अधिशासी निदेशक के पद पर श्री ए. टी. पन्नीर सेल्वाम की नियुक्ति पर, उन्हें तथा माननीय प्रधान मंत्री को टेलेक्स संदेश तथा अभ्यावेदन भेजकर, अपनी आपत्ति तथा क्षोभ प्रकट किया था; यदि हां, तो अपने टेलेक्स संदेशों तथा अभ्यावेदनों में उन्होंने क्या-क्या मुद्दे उठाए हैं और क्या सरकार ने उनकी शिकायतों को दूर करने के लिए कोई कार्यवाही की है; और

(ख) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

वित्त मंत्रालय में उप मंत्री (श्री अनिल शास्त्री) : (क) और (ख) श्री ए. टी. पन्नीर सेल्वाम की नियुक्ति 15-3-1990 से बैंक आफ इंडिया के कार्यकारी निदेशक के रूप में की गई थी । बैंक आफ इंडिया के महाप्रबंधकों से उक्त नियुक्ति के खिलाफ अभ्यावेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें क्षोभ व्यक्त किया गया था तथा बैंक आफ इण्डिया के कार्यकारी निदेशक के पद को बैंक के अधिकारियों में से ही भरे जाने पर जोर दिया गया था । चूंकि सरकार ने सभी सम्बद्ध तथ्यों पर गौर करने के बाद ही बैंक आफ इंडिया के कार्यकारी निदेशक के पद पर नियुक्ति की थी, इसलिए नियुक्ति पर पुनर्विचार का सवाल पैदा ही नहीं होता ।

Report-third 'Armanian Church of the Vanishing Wealth'

34419. SHRI SUBRAMANIAN SAWMY : Will the Minister of FINANCE be pleased to refer to the answer to Unstarred Question 202 given in the Rajya Sabha on the 29th March, 1990 and state:

(a) whether Government have since made progress beyond the preliminary investigation stage and has authenticated documents available on illegal conversion into foreign exchange and investments abroad by Indian citizens who are ex-Directors of Indu Gouri Commercial Company Pvt. Ltd. and an exporting firm RSI (India) Private Ltd., Calcutta;

(b) whether Government's attention has been drawn to a newspaper report which appeared in the *Sunday Mail*, Calcutta dated the 15th April, 1990 titled 'Armanian Church property sold illegally referring to *modus operandi*, documentary evidence and addresses of property held by these persons in Australia purchased from moneys illegally sent abroad;

(c) whether Government's attention has also been drawn to report in the *Illustrated Weekly of India* (June 24-30, page 59) titled "The London Street Scam" regarding the above illegal activities of these persons and of another sookias declaring in a document in USA his net assets worth 2 million dollars and annual income at $ 100,000;

(d) if so, what is the Government's reaction to these Income-tax, Wealth Tax and FERA Act violations; and

(e) what steps Government have taken to repatriate this massive illegal foreign exchange outflow?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI ANIL SHASTRI) : (a) to (e) The case is still under investigation at this stage. Nothing can be said about the alleged transactions referred to in parts (a), (b) and (c) of the question. Appropriate action as per law will be taken on completion of the investigations.

FEDAI as a Mandatory Body of Public Sector Banks

3420. SHRI KAMAL MORARKA : Will the Minister of FINANCE be pleased to state :

(a) whether Foreign Exchange Dealers Association of India is a mandatory body as far as public sector banks are cancerned;

(b) whether Government are aware that one Mr. Anantkrishnan is running this organisation singlehanded in an arbitrary manner;

(c) whether Government are also aware that this organisation is allowing foreign exchange stock broker firms to encourage restrictive practices with respect to employees working with them and wishing to change jobs; and

(d) what steps Government propose to take to curb the unlawful activities of FEDAI ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI ANIL SHASTRI) : (a) Foreign Exchange Dealers Association of India (FEDAI) is an organisation of all authorised dealers in foreign exchange (including public sector banks), which is registered under Section 25 of the Companies Act, 1956. One of the major objects of the Association is to regulate foreign exchange dealings by framing rules from time to time, with the prior approval of the R.B.I., for the conduct of foreign exchange business. The members are required to abide by the Constitution of the Association, all decisions of the General Body and/or the Managing Committee of the Association and all rules framed for the conduct of foreign exchange business.

(b) Shri V. Anantkrishnan is presently the Chief Executive of FEDAI appointed by the Managing Committee of FEDAI in terms of rules and regulation of FEDAI. His term has been extended for a period of three years from 1st March, 1988 by the Managing Committee *vide* their Resolution dated 9th February, 1988. The Affairs of the Association is managed by a Managing Committee consisting of member banks (Authorised Dealers) under Section 8 of the Constitution of FEDAI.

(c) and (d) Reserve Bank of India has reported that it is not aware of FEDAI encouraging any foreign exchange stock broker firms to adopt restrictive practices in respect of employees working with them wishing to change jobs.

विस्थापित व्यक्तियों को सेलम इस्पात संयंत्र में नौकरी दिया जाना

3421. **श्री राम अवधेश सिंह** : क्या **इस्पात और खान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सेलम इस्पात संयंत्र की स्थापना करने के लिए भूमि का अधिग्रहण करते समय सरकार ने यह आश्वासन दिया था कि विस्थापित परिवारों में से प्रत्येक परिवार के कम से कम एक सदस्य को रोजगार दिया जाएगा परन्तु अब तक केवल 300 लोगों को ही नौकरी दी गई है, और

(ख) यदि हां, तो शेष विस्थापित परिवारों के सदस्यों को कब तक नौकरी दे दी जायेगी ?

इस्पात और खान मंत्री साथ में विधि और न्याय मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार (श्री दिनेश गोस्वामी) : (क) और (ख) इस सम्बन्ध में कोई आश्वासन नहीं दिया गया था कि विस्थापित परिवारों में से प्रत्येक परिवार के कम से कम एक सदस्य को रोजगार दिया जाएगा । तथापि, कुल लगभग 1114 गैर-कार्यपालक कर्मचारियों में से 199 कर्मचारी विस्थापित परिवारों के हैं ।

सेलम इस्पात कारखाना छोटा है, इसलिए इसमें रोजगार के अवसर सीमित हैं और ये धीमी गति से होते हैं ।

विस्थापित परिवारों को रोजगार देने की विषय को सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों में अधिशेष जन-शक्ति के सृजन से बचने के दृष्टिकोण से भी देखा जाना चाहिए ।

बोकारो इस्पात संयंत्र से रोपवे का अंतरित किया जाना

3422. **श्री राम अवधेश सिंह** : क्या **इस्पात और खान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सस्ती दरों पर वाशरी तक कोयला पहुंचाने के लिए बोकारो इस्पात संयंत्र से दुग्गा कोल वाशरी तक एक रोपवे 10 वर्ष पहले बनाया गया था परन्तु भूतपूर्व प्रबन्ध निदेशक, श्री रामाकृष्णन ने अपने चहेते ठेकेदारों को परिवहन का काम प्रदान करने के उद्देश्य से रोपवे को बंद कर देने का आदेश दे दिया;

(ख) क्या यह भी सच है कि भूतपूर्व प्रबन्ध निदेशक ने यह आदेश भी दिया कि रोपवे को बोकारो से किसी अन्य स्थान पर ले जाया जाए;